

बाङ्गलार पारिवारिक काठामोर परिवर्तन

क्षितोशप्रसाद चट्टोपाध्याय

ये कोनओ विज्ञानेर तथ्यानुसंधान करार आगे, ऐ विषये सर्वनिम्न आयतनेर परिमापक स्थिर करा दरकार. मानुषेर समाजे "परिवार" एइ निम्नतम इञ्जिनट, वा परिमापक. स्वामी, स्त्री ओ तादेर संतान, एइ समष्टिके "सहज परिवार" बला ह्य. अनेक समाजे लोके शुधु अप्राप्तबयस्क संतानदेर नित्ये संसारे बास करे ना. प्राप्तबयस्क विवाहित संतान ओ तार संतानादि संङ् एक अत्रे बास करे. एइ घरणेर बिस्तृत परिवारके "यौथ" वा "बिस्तृत परिवार" बला ह्य. आमादेर देशे यौथपरिवारे बास कराइ प्राचीन रीति. ऋगवेदे उल्लेख पाओया याय, से युगे स्त्रीपुत्रपौत्रादि मिलिये एकइ बाडीते लोके बास करत. से समये एकत्रे बास, लोकसंख्या बाढानो एवं पुरुषदेर संख्या वृद्धि पाओया विशेष आवश्यक छिल. ताइ से गुगेर मानुष बहुपुत्रसंतान कामना करत.

भारतबर्षेर ग्राम अंचले बहु शताब्दीघरे एइ रकम "बिस्तृत परिवार" बर्तमान छिल; एखनओ बहुस्थाने रयेछे. किन्तु आधुनिक युगेर आर्थिक काठामोर परिवर्तन फले, सामाजिक परिवर्तनओ यथेष्ट घटेछे. ए संबंधे वैज्ञानिक संख्यामात्रिक तथ्य इरेज आमलेइ प्रथमे पाओया याय, इरेजशासनयुगेर आदमसुमारीते, ये सब लोक एक अत्रे एक बाडीते बास करे, तादेर एकटी परिवार बले घरा ह्य. तबे से परिवारेर विभिन्न लोकेर परस्पर संपर्क कि, से तथ्य एइ बिबुति हते पाओया याय ना. बर्तमान प्रबंधे बाङ्गलादेश संबंधे एइ 'परिवार' एर गठन संबंधे ये तथ्य पाओया याय, प्रधानतः तारइ आलोचना करा हबे बाङ्गलादेशे यारा शिल्पांचले एसे काज करे, तादेर संपर्क ओ कीछु बला हबे.

१८८१ ख्रिष्टाब्दे बाङ्गलादेशे, प्रति एकाशबर्ती परिवारे गडे ६.३ जन करे लोक छिल. पूर्वबाङ्गलाय (बर्तमाने प्रधानतः पूर्व पाकिस्थान) एइ संख्या छिल ७.० एवं पश्चिम बाङ्गला ओ समतटे (मध्य बाङ्गलाय) छिल ५.६ मात्र. पश्चिम ओ मध्य बाङ्गलाय ऐ समये एक बर्गमाहले १७ टी बाडी छिल, आर पूर्वबाङ्गलाय छिल ५.६ टी करे वाडी. अथच पूर्वबाङ्गला नदीमातुक; बृषट्टर उपर तार फसल कम निर्भर करे. ऐ अंचलेर उब्बर भूमिते, घनबसति कम थाकाय परिवार पिछु वेशी लोक एकत्रे बास करा संभव ह्येछिल. ४० बत्सर परे, १९२१ ख्रिष्टाब्दे, प्रथम महायुद्धेर परे, पारिवारिक आयतने यथेष्ट परिवर्तन देखा याय. ऐ दशकेर आदामसुमारीर बिबुतिते लक्ष करा याय ये पश्चिम ओ मध्य बाङ्गलार एकाशबर्ती परिवारेर आयतन प्हास पेये दांडियेछे ४.७, अर्थात शतकरा १६ भाग कमेछे, एवं पूर्वबाङ्गलाय ह्येछे ५.४ अर्थात शतकरा २३ भाग कमेछे. प्रथम महायुद्धेर समय, कापड, तेल, लवण, ओ अन्यान्य आवश्यकीय जिनिसेर दाम चडे याओयाय ग्रामअंचले कृषक ओ कारिगरेर आर्थिक अवस्था आगेर चये साराप ह्य. युद्धेर दरुण कलकारखानातेओ अनेक लोकजन चाकरी पाय ओ ग्राम छेडे चले आसे. लोकसंख्याओ एइ ४० बत्सरै अनेक बेडे भेछिल. ऐ समय पश्चिम तथा मध्य, एवं पूर्वबाङ्गलाय प्रति बर्गमाहले यथाक्रमे १२६ ओ ११५ टी बाडी छिल. एइ-तथ्य हते देखा याय ये पूर्वबाङ्गलाय ओ पश्चिमबाङ्गलाय घनबसतिर ये पार्थक्य छिल, एइ ४० बत्सरै ता लोप पेये गेछे. पूर्वबाङ्गलाय घनबसति पश्चिमबाङ्गलाय चये शतकरा २८ भाग कम छिल;